वैदिकोत्तर काल

असि०प्रो० डॉ० संदीप कुमार
इतिहास विभाग
बी०एस० कॉलेज, रहिका, मधुबनी
मो०- 8051796740
दिनांक- 30-03-2020

हर्यक वंश – मगध राज्य

कालखंड - 544 ई०पू० से 412 ई०पू०

संस्थापक - बिम्बिसार

अन्य शासक - अजातशत्रु → उदायिन → नागदशक

अंतिम शासक - नागदशक या नागदर्शक

राजधानी – राजगृह या गिरिव्रज

→ दीपवंश में बिम्बिसार के पिता का नाम "बोधिस" मिलता है

→ जैन साहित्य में बिम्बिसार को "श्रेणिक" तथा अजातशत्रु को "कुणिक" कहा गया है

→ बिम्बिसार ने मगध क्षेत्र को बाह्य आक्रमणों से सुरक्षित रखने तथा राज्य-विस्तार के लिये वैवाहिक संबंध, मित्रता तत्पश्चात् युद्ध-विजय की नीति का अनुसरण किया।

→ वैवाहिक संबंध के तहत बिम्बिसार ने लिच्छवि गणराज्य के शासक चेटक की पुत्री "चेलना", कौशल नरेश प्रसेनजीत की बहन "महाकोशला" तथा मद्र देश की राजकुमारी "क्षेमा" के साथ विवाह किया।

→ बिम्बिसार ने अवन्ति नरेश चण्डप्रद्योत के पाण्डु रोग से ग्रसित होने पर अपने राजवैद्य जीवक को भेजकर उनके साथ मित्रवत् संबंध स्थापित किया।

→ बिम्बिसार ने अंग क्षेत्र को जीतकर उसे मगध राज्य में मिलाया तथा अपने पुत्र अजातशत्रु को वहाँ का वायसराय नियुक्त किया। इस समय अंग का शासक ब्रह्मदत्त था।

→ बिम्बिसार ने "वेलुवन विहार" बौध संघ को दान में दिया था।

→ बिम्बिसार का उत्तराधिकारी अजातशत्रु हुआ।

→ अजातशत्रु ने कौशल राज्य ~~को~~ भी पर आक्रमण किया। पहली बार कौशल नरेश प्रसेनजीत पराजीत हुआ किन्तु दूसरी बार अजातशत्रु। तत्पश्चात् दोनों के बीच वैवाहिक संबंध हुए तथा प्रसेनजीत ने अपनी पुत्री "वजीरा" का विवाह अजातशत्रु के साथ कर दिया तथा दहेज में काशी का क्षेत्र भी अजातशत्रु को दे दिया।

→ अजातशत्रु ने वज्जि संघ (वैशाली) को भी जीतकर मगध साम्राज्य में मिला लिया। इस युद्ध में उसने कुटनीति का सहारा लिया तथा अपने वस्सकार की सहायता से वज्जि संघ में फूट डलवा दी।

→ वज्जिसंघ के खिलाफ युद्ध में पहली बार अजातशत्रु ने रथमुसल तथा महाशीलाकंटक जैसे हथियार का इस्तेमाल किया।

→ अजातशत्रु ने मल्ल संघ को पराजित कर पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े भाग पर अधिकार कर लिया।

→ अजातशत्रु ने राजधानी को सुरक्षित रखने हेतु राजगृह का दुर्गीकरण करवाया।

→ अजातशत्रु ने अपनी पुत्री ~~उदयन का विवाह~~ पद्मावती का विवाह वत्सराज उदयन के साथ किया।

→ अजातशत्रु के शासन काल के 8वें वर्ष महात्मा बुद्ध को महापरिनिर्वाण की प्राप्ति हुई तत्पश्चात् अजातशत्रु ने उनके अस्थि-अवशेषों पर राजगृह में एक स्तूप का निर्माण करवाया।

→ अजातशत्रु के शासन काल में ही प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन राजगृह के सप्तपर्णी गुफा में हुआ।

→ जीस प्रकार बिम्बिसार की हत्या उसके पुत्र अजातशत्रु ने की ठीक उसी प्रकार अजातशत्रु की हत्या उसके पुत्र उदायिन ने कर दी।

→ अजात शत्रु के पश्चात् हर्यंक वंश का उत्तराधिकारी उदायिन या उदयभद्र हुआ।

→ उदायिन या उदयभद्र ने गंगा तथा सोन नदियों के तट पर "पाटलिपुत्र" नामक नगर की स्थापना की थी।

→ उदायिन के पश्चात् नागदशक या नागदर्शक हर्यंक वंश का राजा हुआ। यह हर्यंक वंश का अन्तिम शासक था। इसके पश्चात् मगध की सत्ता पर शिशुनाग का आगमन होता है।